इतिहास (वैकल्पिक विषय)

(मॉडल टेस्ट-II)

DTVF/18(JS)–OPS-**H10**

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

नाम (Name): mintu lal meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]: 1142258

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): [signature]

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

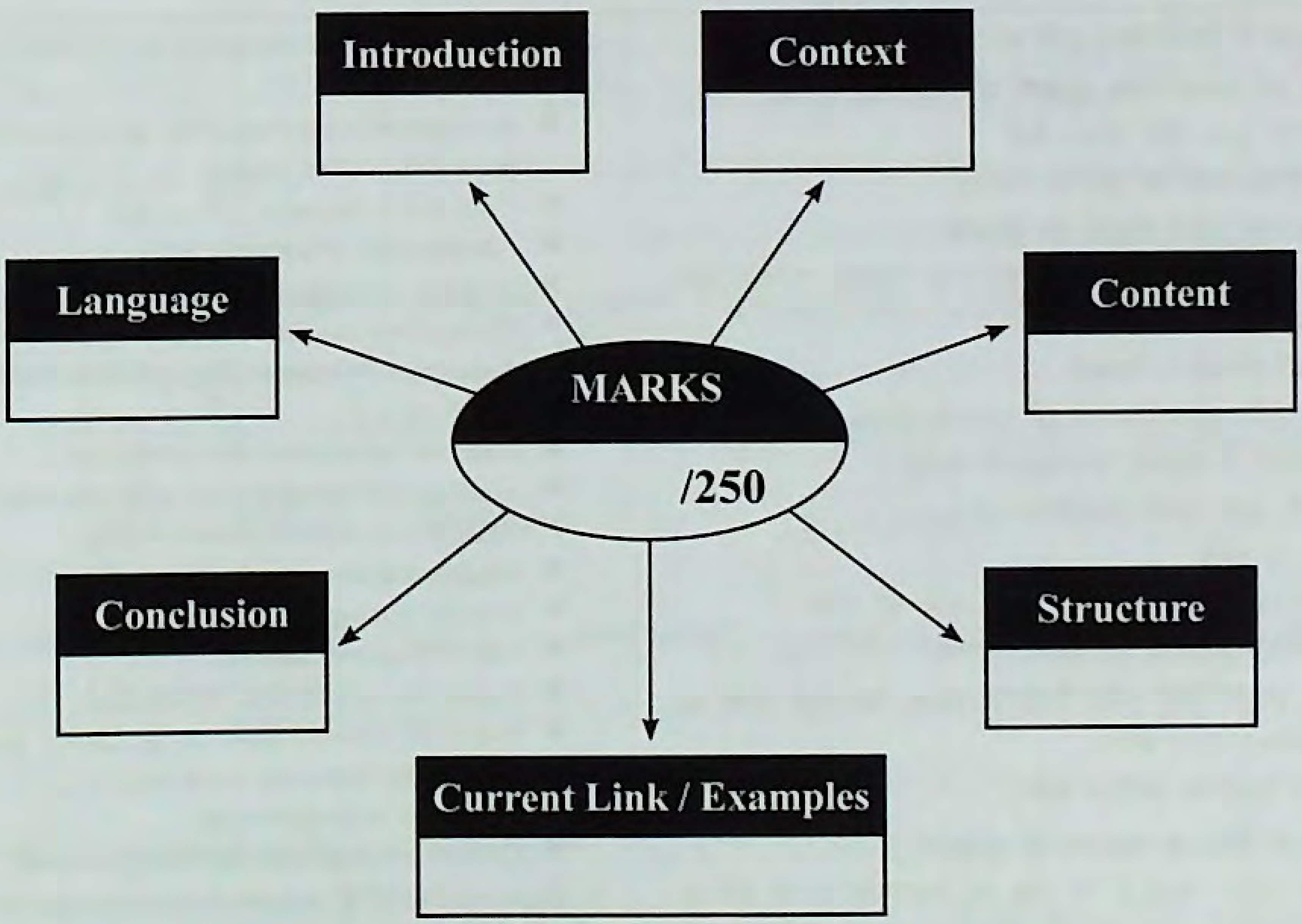

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खंड-क / SECTION-A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) '17वीं-18वीं शताब्दी के दौरान भारत में शक्ति सामर्थ्य की सर्वोच्चता की होड़ ने अंग्रेजों एवं फ्रांसीसियों को रणभूमि में आमने-सामने लाकर खड़ा कर दिया, जहाँ अंतिम रूप से फ्रांसीसी पराजित हुए।' इस कथन के आलोक में भारत में फ्रांसीसी शक्ति के पराजित होने के कारकों का उल्लेख कीजिये।

'During the 17th-18th century, the competition of supremacy of power in India eventually brought face to face in the battlefield to the British and the French, where the French were finally defeated.' Mention the reasons for the loss of French power in India in the light of this statement.

17-18वीं शताब्दी में भारतीय व्यापार पर एकाधिकार स्थापित करने हेतु अंग्रेजों एवं फ्रांसीसियों के मध्य हुए तीन युद्धों को कर्नाटक युद्ध कहा जाता है। इसमें फ्रांसीसी पराजित हुए। इसके भिन्न कारण थे।

→ फ्रांस में निरंकुश राजतंत्र था जहाँ शासकों नीतियाँ विदेश क्षेत्र से अकुशल थी। वहीं ब्रिटेन में उदारवादी शासन प्रणाली थी जो मुक्त व्यापार को बढ़ावा दे रही थी।

→ फ्रांसीसी कंपनी एक सरकारी कंपनी थी। उसके कर्मचारी लाभ की प्रेरणा से

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कार्य नहीं करते थे तथा अधिकारियों एवं आधिकारियों में सहज समन्वय एवं सहयोग का अभाव था।

जबकि EIC एक निजी कंपनी थी और व्यापारिक लाभ उसका मुख्य उद्देश्य था।

- ब्रिटिश सत्ता का केन्द्र बंगाल था जो आर्थिक दृष्टि से संपन्न था। यहाँ प्राप्त संसाधनों का उपयोग अंग्रेजों ने फ्रांसीसियों के विरुद्ध किया। वहीं फ्रांसीसियों का केन्द्र पाण्डिचेरी बंगाल की तुलना में कहीं नहीं था।
- फ्रांस की नौसैनिक शक्ति ब्रिटेन से कमजोर थी।

इसी सन्दर्भ में वि. स्मिथ ने कहा है कि "न तो सिकन्दर महान और न ही नेपोलियन भारतीय साम्राज्य को जीत सकते थे। जो कि पांडिचेरी से शासन करते और उस शक्ति से स्पर्धा करते जिसका बंगाल एवं समुद्र पर नियंत्रण था।" अतः अंग्रेजी विजित हुए।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) वेलेजली की नीति के मूल में ब्रिटिश साम्राज्य के हितों की रक्षा एवं अभिवृद्धि करना था। विश्लेषण कीजिये।

The core of the policy of Wellesley was to protect and accelerate the interests of the British Empire.Analyze.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

वेलेजली का मुख्य उद्देश्य भारत में कंपनी की सर्वोच्चता स्थापित करना था। अत: वह ऐसी राजनीतिक प्रणाली स्थापित करना चाहता था जिससे भारतीय शासकों विदेशी शक्तियों के सहयोग से वंचित हो जाये और ब्रिटिश साम्राज्य की व्यापारिक आवश्यकताएँ की पूरी हो सके। इसके लिए उसने सहायक संधि प्रणाली लागू की।

प्रावधान:

- देशी राज्यों में ब्रिटिश सेना रहेगी जिसका खर्च देशी राज्य देंगे।
- कंपनी की अनुमति के बिना देशी राज्य किसी के साथ युद्ध, मित्रता एवं शांति संधि नहीं कर सकते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- देशी रियासतों में एक ब्रिटिश प्रतिनिधि रहेगा।
- देशी रियासतों के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया जायेगा।

वास्तव में यह घोषणा केवल ब्रिटिश के भाकप्रमक रही और देशी रियासतों के वर्ग पर एक सेना तोड़कर की जिसका प्रयोग देशी रियासतों के विरुद्ध करना था। इसी सन्दर्भ में कहा गया है कि "युद्ध की बुराईयाँ अंग्रेजी शक्ति से दूर हो गईं।"

साथ ही फ्रांसीसियों के आक्रमण का भय समाप्त हो गया क्योंकि देशी रियासतों की विदेश नीति पर अंग्रेजों का नियन्त्रण था। वहीं देशी रियासतों ने अपनी स्वतंत्रता एवं प्रभुता खो दी और ब्रिटिश अधीनता स्वीकार कर ली।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारतीय राष्ट्रवाद के उदय में अंग्रेज़ी शिक्षा के योगदान को आप किस हद तक उत्तरदायी मानते हैं? समीक्षा कीजिये।

To what extent do you consider the contribution of English education in the rise of Indian nationalism? Analyze.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंग्रेजों ने अपने औपनिवेशिक हितों की पूर्ति हेतु सस्ता-सस्ता क्लर्क, श्वेत भार के मानना के सिद्धांत का औचित्य प्रमाणित करने एवं रक्त एवं रंग से भारतीय तथा आचार-विचार और रुचि से अंग्रेज़ समर्थक वर्ग बनाने के लिए आधुनिक शिक्षा लागू की।

इस आधुनिक शिक्षा के कारण भारत में शिक्षित मध्यवर्ग का उदय हुआ जो आधुनिक विचारों एवं प्रगतिशील शब्दों जैसे - स्वतंत्रता, संविधान, नागरिक अधिकारों इत्यादि से परिचित था।

इस मध्यवर्ग ने विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का प्रकाशन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कर भारतीयों को प्रगतिशील विचारों एवं मूल्यों से परिचित कराया जिससे भारतीयों में जागरूकता बढ़ी।

इसी मध्यवर्ग ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद की अर्थशास्त्रीय आलोचना की और ब्रिटिश साम्राज्यवाद के शोषणपरक चरित्र को उजागर किया। फलत: भारतीय असंतुष्ट हुए और अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट हुए जिससे राष्ट्रवादी भावना का विकास हुआ और इस राष्ट्रवाद का नेतृत्व कर्ता मध्य वर्ग बना।

किंतु राष्ट्रवाद के उदय में मध्य वर्ग के अतिरिक्त निम्न तत्वों की भूमिका थी:-

- सामाजिक-धार्मिक सुधार आन्दोलन
- ब्रिटिश राजनीतिक, प्रशासनिक एवं आर्थिक नीतियाँ
- परिवहन एवं संचार व्यवस्था का विकास।
- ब्रिटिश शासकों जैसे - रिपन एवं कर्जन की नीतियाँ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) '1857 के विद्रोह का त्रुटिपूर्ण साजो-सामान, कुशल रणनीति के अभाव एवं कमजोर संगठन के कारण असफल होना निश्चित था।' इस कथन के आलोक में क्रान्ति की असफलता के कारणों का परीक्षण कीजिये।

'Due to faulty equipment and unskilled tactics and organization of Gadar rebels was sure to be unsuccessful.' Examine the reasons for the failure of the Gadar movement in the light of this statement.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ब्रिटिश शासन की राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक, सामाजिक सांस्कृतिक एवं सैन्य नीतियों के कारण 1857 का विद्रोह हुआ। इस विद्रोह के असफलता के निम्न कारण थे।

- विद्रोह का प्रसार सम्पूर्ण भारत में नहीं था। यह केवल उत्तर भारत तक सीमित रहा।
- सभी वर्गों की विद्रोह में भागीदारी नहीं थी। मध्यवर्ग विद्रोह से अलग रहा। अनेक शासकों एवं जमींदारों ने अंग्रेजों का साथ दिया।
- विद्रोही ~~विद्रोहियों~~ अखिल भारतीय नेतृत्व बनाने में विफल रहे। कोई भी ऐसा संगठन अस्तित्व में नहीं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

माना जो सभी को ब्रिटिश के विरुद्ध संगठित कर सके।

- कुशल रणनीति का अभाव था। सभी विद्रोही अपने - अपने हितों के अनुसार अलग - अलग समय पर अलग-2 स्थानों पर विद्रोह कर रहे थे। फलतः ब्रिटिश को दमन करने में आसानी हुई।
- विद्रोहियों के पास आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों एवं योग्य नेतृत्व का अभाव था। साथ ही विद्रोहियों को रेलवे, डाक एवं तार सेवा का सहयोग नहीं मिला जबकि ब्रिटिश ने इन सभी का उपयोग विद्रोह के दमन के लिए किया। फलतः विद्रोह असफल रहा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) '17 मई, 1782 को संपन्न हुई सालबाई की संधि को भारत में ब्रिटिश आधिपत्य के इतिहास में युगांतकारी घटना के रूप में देखा जाता है।' स्पष्ट कीजिये।

'The Treaty of Salbai concluded on 17th May, 1782 is seen as a break-through event in the history of British occupation in India.' Explain.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत में अपने शासन की स्थापना के क्रम में ब्रिटिश को भारतीय क्षेत्रीय शक्तियों से संघर्ष करना पड़ा। जहाँ उनका मराठों के साथ 1775 में प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध शुरू हुआ।

वास्तव में 1780-81 का वर्ष अंग्रेजों के लिए व्यापक संकट का समय था। इस समय अन्तर्राष्ट्रीय एवं भारतीय परिस्थितियाँ ब्रिटिश के अनुकूल नहीं थी।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इस समय अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम चल रहा था जहाँ ब्रिटिश पराजय हो रहे थे और उनका फल अनिश्चित हो रहा था। भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यूरोपीय शक्तियों जैसे- फ्रांस, स्पेन, हालैण्ड की अपने हितों की शर्तें अमेरिका का साथ दे रही थी।

भारतीय परिस्थितियों के अन्तर्गत अंग्रेजों के विरुद्ध देशीय शक्तियों का त्रिगुट निजाम, मराठा एवं मैसूर का गुट था जो अंग्रेजों को चुनौती दे रहे थे।

साथ ही इस समय बम्बई एवं बंगाल के ब्रिटिश अधिकारियों के मद्रास की नवीनता का संघर्ष चल रहा था जिसे हम मराठा संघर्ष के सम्बन्ध में पाते सकते हैं।

ऐसी परिस्थितियों में वॉरेन हेस्टिंग्स ने मराठों के साथ सालबाई सन्धि की और अपनी राजनीतिक कुशलता का परिचय देते हुए अंग्रेजों को संकट से बाहर निकाला। इस दृष्टि से उपरोक्त भी जिसे इसके ब्रिटिश साम्राज्य भारत में स्थापित नहीं किया

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) 1858 के बाद का किसान आंदोलन वास्तविक रूप में किसानों के सामाजिक आर्थिक उत्पीड़न के प्रति उनके आक्रोश का प्रस्फुटन मात्र था। विवेचना कीजिये। 15

The peasant movements after 1858 in reality were only an inflammation of their resentment against the socio-economic oppression of the farmers. Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ब्रिटिश आर्थिक नीतियों से किसानों का शोषण एवं उत्पीड़न हुआ जिसके विरुद्ध किसान विद्रोह हुए। 1858 के बाद हुए किसान विद्रोहों में नील आन्दोलन, पावना विद्रोह, दक्कन के दंगे, मोपला किसान आन्दोलन, चम्पारण सत्याग्रह एवं खेड़ा किसान आन्दोलन प्रमुख है।

वस्तुतः ब्रिटिश लगान नीति ने अधिकतम लगान प्राप्ति का लक्ष्य रखा जिसे चुकाने के क्रम में किसान निर्धन एवं ऋणग्रस्त हो गया और लगान नहीं चुकाने पर उसे काश्तकारी से बेदखल किया जाने लगा।

कृषि के वाणिज्यीकरण के कारण नगदी फसलों को बढ़ावा मिला और खाद्यान्न फसलों का रकबा कम होने

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आयात कमी हुई। साथ ही रेलवे के विस्तार के बाद आयात बड़ी मात्रा में इंग्लैण्ड निर्यात किया जाने लगा। फलतः भारतीय किसान कुपोषण एवं भुखमरी के शिकार हुए।

इसी तरह नगदी कृषि के लिए किसानों को साहूकारों एवं महाजनों से ऋण लेना पड़ा। फलतः वे साहूकारों एवं महाजनों के शोषण के शिकार हुए।

ब्रिटिश मुक्त व्यापार नीति ने भारतीय परम्परागत हस्तशिल्पों का पतन कर दिया जिससे शिल्पकार बेरोजगार होकर कृषि क्षेत्र में पलायन कर गए और पहले से ही पिछड़ी हुई खेती और पिछड़ गई और इस पर आत्यधिक दबाव बढ़ गया।

इस तरह कृषि के पिछड़ने एवं हस्तशिल्प उद्योगों का पतन होने से

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृषि एवं उद्योगों के अन्तःसम्बन्धों पर आधारित परम्परागत भारतीय अर्थव्यवस्था का विघटन हो गया।

इन ब्रिटिश नीतियों के कारण निर्धनता, ऋणग्रस्तता, अकाल, भुखमरी, विऔद्योगिकीकरण, कृषि का पिछड़ा जैसे तत्व भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख अभिलक्षण बन गए और जिससे किसानों का सामाजिक आर्थिक उत्पीड़न ~~हुई~~ हुआ। जिसकी अभिव्यक्ति हम विभिन्न किसान आन्दोलन में देखी जा सकती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) कॉन्ग्रेस की स्थापना को सेफ्टी वाल्व के सिद्धांत के रूप में न समझकर ऐतिहासिक आवश्यकता के रूप में समझने की आवश्यकता है। समीक्षा कीजिये। 15

Regardless of considering the establishment of the Congress as the principle of safety valve, need to understand as a historical requirement. Analyze. 15

28 दिसम्बर, 1885 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई और इसकी स्थापना एक अंग्रेज अधिकारी A. O. ह्यूम ने की थी।

इसी सन्दर्भ में लाला लाजपतराय ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए अपनी पत्रिका यंग इण्डिया में लिखा कि कांग्रेस की स्थापना अंग्रेजो द्वारा एक सुरक्षा वॉल्व के रूप में की गई है।

लाला लाजपतराय के अनुसार भारतीय के असंतोष को संवैधानिक एवं शांतिपूर्ण ढंग से निकालने हेतु अंग्रेजों द्वारा इसकी स्थापना की गई। उन्होंने कहा की " कांग्रेस डफरिन के मस्तिष्क

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

की उपज है।"

किंतु सुरक्षा वॉल्व के सिद्धांत को मानने में अनेक कमियाँ हैं जो निम्न हैं.

1) डफरिन के पत्रों एवं आधुनिक शोधों से स्पष्ट होता है कि जून, 1885 के पश्चात् डफरिन एवं ह्यूम के सम्बन्ध बेहतर नहीं थे।

2) डफरिन को कांग्रेस की स्थापना का पता में बाद में चला।

3) स्वयं डफरिन ने भी कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा था कि "यह अल्पसंख्यक भारतीयों का ही प्रतिनिधित्व करती है।"

इस तरह कांग्रेस की स्थापना के सन्दर्भ में सुरक्षा वॉल्व सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

वास्तव में इस काल भारत में साम्राज्यवाद का प्रभाव हो रहा था और इससे पहले ईस्ट इंडिया एसोसिएशन, इंडियन लीग जैसे क्षेत्रीय एवं संकुचित संगठन बन चुके थे।

अतः भारतीयों को एक अखिल भारतीय संगठन की आवश्यकता थी जो उनकी माँगों को भारतीय स्तर पर रख सके और भारत के विभिन्न वर्गों को एकजुट कर सके। इस दृष्टि से कांग्रेस की स्थापना हुई। विभिन्न प्रवृत्तियों का परिणाम थी न कि अचानक राष्ट्रवाद की उपज थी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) भारतीय राष्ट्रीय मंच पर बीसवी शताब्दी के प्रथम दशक में उग्रवाद का उदय अचानक नहीं हो गया था, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से 1857 के विद्रोह से ही धीरे-धीरे इस विचारधारा का विकास होने लगा था। विश्लेषण कीजिये। 20

In the first decade of the 20th century on the Indian National Forum, the rise of militancy was not sudden, but indirectly this ideology developed gradually only after the rebellion of 1857. Examine this statement. 20

1885 में कांग्रेस की स्थापना हुई और इसके प्रारंभिक 20 वर्षों के कालकाल को उदारवादी कार्यकाल कहा जाता है। उदारवादी राजनीति की असफलता से लोगों का मोहभंग हुआ और उग्रवाद का उदय हुआ जिसके निम्न कारण थे।

- 1857 के बाद से ब्रिटिश शासन द्वारा दमनात्मक कार्यवाही की जा रही थी। फलतः भारतीय असंतुष्ट हुए।
- 1892 के अधिनियम से भारतीयों को राजनीतिक निराशा के अलावा कुछ नहीं मिला। फलतः भारतीयों में आक्रोश बढ़ा।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

- 1897 में तिलक जेल भेज दिया और 1896-97 में पड़े अकाल के दौरान अंग्रेजों द्वारा राहत सफलता प्रदान नहीं की गई।
- उदारवादियों ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद की अर्थशास्त्रीय आलोचना की और ब्रिटिश साम्राज्यवाद के शोषणपरक स्वरूप को भारतीय जनता के सामने उजागर किया।
- सामाजिक-धार्मिक सुधार आन्दोलन ने भारतीयों में देशप्रेम, त्याग, बलिदान एवं आत्मविश्वास की भावना जाग्रत की। स्वामी दयानन्द की कथा कि "बुरे से बुरा देशी राज्य अच्छे से अच्छे विदेशी राज्य से अच्छा है" इसी तरह अरविन्द घोष ने कहा कि "स्वतंत्रता जीवन श्वास है।"

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

- पत्र-पत्रिकाओं, अखबार-पत्रों एवं पुस्तकों के प्रकाशन भारतीय लोग आधुनिक विचारों एवं प्रगतिशील शब्दों जैसे - स्वतंत्रता, नागरिक अधिकार, समानता, संविधान, लोकतंत्र इत्यादि से परिचित हुए।
- रिपन एवं कर्जन द्वारा किये गये प्रतिक्रियावादी कार्यों ने भी भारतीय ~~राष्ट्रवाद~~ उग्रवाद को बढ़ावा दिया। जब 1905 में कर्जन ने बंगाल की विभाजन की घोषणा की और राष्ट्रीय आन्दोलन नए चरण (उग्रवादी) में प्रवेश कर गया जो नये लक्ष्यों (स्वराज्य) एवं नई पद्धतियों (निष्क्रिय प्रतिरोध) से युक्त था।

उपर्युक्त परिस्थितियों ने भारतीय उग्रवाद को प्रोत्साहित किया और राष्ट्रीय आंदोलन का और विस्तार हुआ।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खंड-ख / SECTION-B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) यूरोप में प्रचलित मानवतावादी विचारधारा पुनर्जागरण के केंद्र में विद्यमान थी। स्पष्ट कीजिये।
The prevailing humanist ideology in Europe was present in the centre of the Renaissance. Explain.

14-16 वीं शताब्दी के दौरान यूरोप में मानवतावाद, मानवीय विवेक एवं तर्क, वैज्ञानिक खोजों एवं अन्वेषण पर बल देने वाली प्रवृत्तियों का उदय हुआ। इन प्रवृत्तियों के सामूहिक रूप को पुनर्जागरण कहा जाता है।

पुनर्जागरण ने मानवतावाद को अपने केन्द्र में रखा। पुनर्जागरणकालीन साहित्य में मानव को महत्व को दिया जाने लगा। अब मानवीय समस्याओं एवं उनके प्रश्नों / समाधानों को साहित्य में स्थान दिया जाने लगा। 'दांते' ने अपने ग्रंथ 'डिवाइन कॉमेडी' में मानवतावाद को महत्व दिया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

इसी तरह पुनर्जागरणकाल में हुई ~~की~~ नवीन समुद्री मार्गों एवं भौगोलिक ~~की~~ खोजों की उपलब्धियों का श्रेय मानव को दिया जाने लगा जो पहले धर्म/ईश्वर को दिया जाता था।

पुनर्जागरणकालीन कला तथा चित्रकला, मूर्तिकला, ~~वैज्ञानिक खोजों में~~ में मानव को स्थान दिया गया। इसका प्रमुख उदाहरण लियोनार्डो द विंची का मोनालिसा का चित्र प्रमुख है।

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि पुनर्जागरणकालीन साहित्य, कला एवं विज्ञान के केन्द्र में ~~मानव का~~ मानवतावादी विचारधारा विद्यमान थी।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(b) '18वीं सदी में वैज्ञानिक चेतना, तर्क और अन्वेषण की प्रवृत्ति ने परिपक्वता प्राप्त कर ली थी।' उपर्युक्त कथन के संदर्भ में इस काल की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिये।

'In the 18th century, scientific consciousness, logic and trend of exploration gained maturity.' Underline the key features of the factors responsible for them.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

18वीं शताब्दी में पुनर्जागरणकालीन मानवतावादी, मानवीय विवेक, वैज्ञानिक चेतना, तर्क एवं अन्वेषण की प्रवृत्ति ने परिपक्वता प्राप्त कर ली, जिसे प्रबोधन के नाम से जाना जाता है। इस प्रबोधन काल की प्रमुख विशेषताएँ थी।

- प्रबोधन के चिंतकों ने (रूसो, वॉल्टेयर, मॉन्टेस्क्यू प्रमुख) ने ज्ञान को विज्ञान से जोड़ने पर बल दिया। और कहा कि जो प्रयोग एवं परीक्षण से सिद्ध हो जाये। वही सत्य है।
- प्रबोधन के चिंतकों ने प्रकृति पर बल दिया और कहा कि जिस तरह प्रकृति संयोग और सौंदर्य से परिपूर्ण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

है। उसी तरह मानव को स्वतंत्र होना चाहिए और प्रकृति की ओर लौटना चाहिए। इसी सन्दर्भ में रूसो ने कहा कि

"मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ है किंतु सर्वत्र जंजीरों से जकड़ा हुआ है।"

- प्रबोधन के चिंतकों ने अपने चिंतन के केन्द्र में मानव को रखा और कहा कि मानव जन्म से विवेकशील एवं अच्छा प्राणी है किंतु सभ्यता के विकास क्रम में उसने जो कृत्रिम आवरण ओढ़ रखा है, उसे हटाना चाहिए।
- प्रबोधनकाल में प्राकृतिक धर्म पर बल दिया गया है अर्थात् जो धार्मिक कर्मकांड एवं आडम्बरों से मुक्त हो।

इस प्रकार प्रबोधन काल परिपक्वता का काल था जिसने आधुनिक विश्व का आधार तैयार किया।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) 'ग्रेनविले ने अमेरिका को खो दिया।' टिप्पणी कीजिये।

'Granville lost America.' Comment.

1756 के सप्तवर्षीय युद्ध समाप्त होने के पश्चात इंग्लैण्ड के सम्राट जॉर्ज-III ने युद्ध के वित्तीय बोझ को कम करने एवं प्रशासन में सुधार के लिए ब्रिटिश सरकार पर दबाव डाला।

इसी क्रम ब्रिटिश प्रधानमंत्री ग्रेनविले ने अमेरिकी उपनिवेश के से प्राप्त होने वाली आय के दस्तावेजों को देखा और पाया कि यहाँ से पर्याप्त आय प्राप्त नहीं हो रही है।

अतः उसने यहाँ पुराने वाणिज्यवादी आर्थिक कानूनों (जैसे औद्योगिक कानून, व्यापारिक कानून एवं नौपरिवहन कानून) को कठोरतापूर्वक लागू करने पर बल दिया गया तथा स्टाम्प एक्ट एवं शुगर एक्ट जैसे नये कानून भी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कर लगाए गए।

इन कानूनों का अमेरिकियों द्वारा विरोध किया गया और "कर नहीं तो, प्रतिनिधित्व नहीं" का नारा देते हुए यह संवैधानिक प्रश्न खड़ा किया जिस ब्रिटिश संसद में अमेरिकी प्रतिनिधित्व नहीं है उसे अमेरिका पर कर लगाने का अधिकार नहीं है।

इसी के साथ 1773 में बोस्टन टी पार्टी के साथ संघर्ष प्रारम्भ हुआ और जॉर्ज वाशिंगटन के नेतृत्व में अमेरिका ने स्वतंत्रता प्राप्त की। इसी सन्दर्भ में कहा जाता है कि

"ग्रेनविले ने अमेरिका से आने वाली डाक को पढ़ लिया और अमेरिका को खो दिया।"

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(d) 'विश्व के इतिहास में वह कितनी बड़ी और कितनी अच्छी घटना थी।' फ्रांसीसी क्रांति के संदर्भ में कथन का मूल्यांकन कीजिये।
'How big and good incident was that in the history of the world.' Evaluate the statement in the context of French Revolution.

उपर्युक्त कथन फ्रांसीसी क्रान्ति के सकारात्मक परिणामों के सन्दर्भ में कहा गया है। इस दृष्टि से फ्रांसीसी क्रान्ति के परिणाम एवं प्रभाव निम्नलिखित है-

फ्रांस पर प्रभाव

- फ्रांस में निरंकुश राजतंत्र की समाप्ति हुई और संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना हुई।
- विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग कुलीन, पादरी एवं सामन्त को समाप्त कर दिया गया और प्रशासनिक, सैन्य एवं न्यायिक नियुक्तियाँ योग्यता के आधार पर होने लगी।
- धार्मिक संरचना पर चोट की गई। चर्च की संपत्ति जब्त कर ली गई और राष्ट्रीय चर्च की स्थापना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

करते हुए धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना हुई।

यूरोप पर प्रभाव:

- फ्रांसीसी क्रान्ती के आदर्श स्वतंत्रता, समानता, बन्धुत्व एवं राष्ट्रवाद का यूरोप मे प्रसार-प्रचार हुआ। विशेषत यूरोप मे राष्ट्रवाद का प्रसार हुआ। इसी कारण 19वीं सदी को राष्ट्रवाद की सदी कहा जाता है।

इसी राष्ट्रवाद भावना के कारण इटली एवं जर्मनी का एकीकरण तथा यूनान को ऑटोमन साम्राज्य से स्वतंत्रता मिली।

- निष्कर्ष: कहा जा सकता है फ्रांसीसी क्रान्ती के प्रगतिशील मूल्यों न केवल फ्रांस एवं यूरोप को ~~बल्कि~~ बल्कि संपूर्ण विश्व को प्रभावित किया। अतः यह विश्व इतिहास की नयी ~~घटना~~ घटना थी।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(e) 'उपनिवेशवाद का पतन व तृतीय विश्व के उद्भव की घटना परमाणु बम से भी अधिक विस्फोटक थी।' कथन का परीक्षण कीजिये।

'The collapse of colonialism and the emergence of the Third World was more explosive than the atom bomb.' Examine the statement.

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात अफ्रीका, एशिया एवं लैटिन के अमेरिका में अनेक राष्ट्र स्वतंत्र हुए। इन नवोदित एवं नवस्वतंत्र राष्ट्रों को ही तृतीय विश्व के नाम से जाना जाता है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के जापान ऊपर ~~परमाणु बम~~ विस्फोट किये गये परमाणु बम का प्रभाव जापान तक सीमित था किंतु तृतीय विश्व के विस्फोट उदय ने संपूर्ण विश्व को प्रभावित किया, जिसे हम निम्न प्रकार समझ सकते हैं।

- तृतीय विश्व के देशों ने गुटीय राजनीति का विरोध किया तथा शांतिपूर्ण सहअस्तित्व, निःशस्त्रीकरण, पर बल देते हुए आत्मनिर्भर के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रंगभेद का खुला समर्थन किया।

- उत्तर-उत्तर एवं उत्तर-दक्षिणी संवाद स्थापित करने में योगदान।
- शीतयुद्ध की तीव्रता कम की।
- नवउपनिवेशवाद शोषण का विरोध।
- साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद का विरोध।
- रंगभेद एवं नस्लभेद का विरोध।
- वर्तमान विश्व में उभरती नवीन चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन, शरणार्थी समस्या, आतंकवाद से निपटने के प्रति प्रासंगिकता।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि उपनिवेशवाद का पतन एवं तृतीय विश्व का उदय परमाणु बम से भी अधिक विस्फोट था। जिसने अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति को गहरे रूप से प्रभावित किया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) फ्राँस तथा यूरोप के इतिहास में 1848 की क्रांति ने महत्त्वपूर्ण परिणाम उत्पन्न किये। विश्लेषण कीजिये। 20

In the history of France and Europe, the 1848 revolution produced important results. Explain. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फ्रांस की क्रान्ति विश्व इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है। 1789 ई. में फ्रांसीसी क्रान्ती से प्रेरित होकर ~~फ्रांस के~~ यूरोप के विभिन्न देशों में 1848 ई. में क्रान्तियाँ हुई जिनके फ्रांस एवं यूरोप पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़े, जो अग्रलिखित है।

फ्रांस पर प्रभाव:

1848 ई. में हुई फ्रांसीसी क्रान्ती से ~~फ्रांस~~ फ्रांस ~~के~~ में नेपोलियन-III के नेतृत्व में गणतंत्र की स्थापना हुई और उसने यूरोप के फ्रांस की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिये अनेक कार्य किये, जैसे - क्रीमिया युद्ध में भागीदारी।

यूरोप पर प्रभाव:

19 वीं सदी को राष्ट्रवाद की सदी कहा जाता है क्योंकि फ्रांसीसी

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

क्रान्ति से प्रसारित हुई राष्ट्रवादी भावना का प्रसार-प्रचार विभिन्न देशों में हो रहा था। इसी प्रेरित होकर यूरोप के विभिन्न देशों - ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फ्रांस जैसे देशों में क्रान्तियाँ हुई। इन क्रान्तियों के प्रभाव निम्नलिखित है -

- 1848 की क्रान्तियों ने मेटरनिख द्वारा स्थापित वियना व्यवस्था को समाप्त कर दिया और मेटरनिख की प्रतिक्रियावादी विचारधारा इतिहास की प्रगतिशील धारा को रोकने में विफल रही जो पुनर्जागरण, धर्म सुधार आन्दोलन, प्रबोधनकाल, अमेरिकी एवं फ्रांसीसी क्रान्ति से होते हुए यूरोप में प्रवाहित हो रही थी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

- इटली एवं जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई और 1871 में इटली एवं जर्मनी का एकीकरण होने के साथ ही वियना व्यवस्था का पूर्ण पतन हो गया। इस तरह नये राष्ट्र राज्यों का उदय हुआ।
- यूरोप के विभिन्न देशों में उदारवादी लोकतांत्रिक शासन प्रणाली की स्थापना हुई और राजतंत्रों की समाप्ति हुई।

इस तरह कहा जा सकता है कि 1848 ई. क्रांतियों के यूरोप एवं विश्व पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़े। इसी सन्दर्भ में कहा गया है कि "19वीं सदी ब्रिटिश तकनीक एवं फ्रांसीसी क्रांति का परिणाम थी।"

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'वर्साय की संधि जर्मनी के साथ की गयी एक अपमानजनक संधि थी।' समीक्षा कीजिये। 15

'Treaty of Versailles concluded with germany was an outrageous treaty.' Analyze. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात् पेरिस शांति सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें पराजित राष्ट्रों के साथ संधियाँ की गई। इसमें जर्मनी के साथ की गई वर्साय संधि उल्लेखनीय है।

वर्साय संधि के ~~प्रावधानों~~ आर्थिक, सैनिक एवं प्रादेशिक प्रावधान निम्न प्रकार थे।

प्रादेशिक व्यवस्था :-

- अलसेस लॉरेन प्रदेश फ्रांस को दे दिया गया।
- मार्सनेट, मालमेडी एवं यूपेन का क्षेत्र बेल्जियम को दिया गया।
- जर्मनी का खनिज संसाधन संपन्न क्षेत्र सार घाटी फ्रांस के नियन्त्रण में दे दी गई।
- मेमेल बंदरगाह लिथुआनिया को नया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

डेंजिंग बन्दरगाह पोलैण्ड को दिया गया। पोलैण्ड को समुद्र बन्दरगाह तक पहुँचने के लिए जर्मनी के क्षेत्रों में से एक गलियारा दिया गया जिसे पोलिश गलियारा कहा गया।

सैन्य प्रावधान:

- स्थल सेना सीमित करके 1 लाख कर दी गई।
- नौसेना ब्रिटिश सेना की 1/3 कर दी गई और पनडुब्बियों के प्रयोग पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया।
- अनिवार्य सैन्य सेवा समाप्त।
- राइनलैण्ड का असैन्यीकरण कर दिया गया।

आर्थिक प्रावधान:

- युद्ध उत्तरदायित्व केवल जर्मनी पर डाला गया और 5 अरब डॉलर युद्ध क्षतिपूर्ति आरोपित की गई।
- जर्मन उपनिवेशों को छीन लिया गया

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356 वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

और उसके व्यापार - वाणिज्य पर प्रतिबन्ध लगा दिया।

उपर्युक्त प्रावधानों से स्पष्ट होता है कि जर्मनी को आर्थिक, राजनीतिक एवं सैन्य दृष्टि से पंगु बना दिया और किसी भी सम्प्रभु राष्ट्र के साथ ऐसी संधि अपमानजनक थी। साथ ही संधि पर जर्मनी की आपत्तियों को नहीं सुना गया और उसे केवल हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य किया।

इन अपमानजनक संधि प्रावधानों का उल्लंघन करने हेतु हिटलर ने नाजीवादी शासन की स्थापना की और युद्ध तथा विस्तारवाद पर बल दिया जिससे 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध प्रारम्भ हुआ। इसी सन्दर्भ में मार्शल फौच ने कहा "वर्साय संधि शांति संधि नहीं बल्कि 20 वर्षों का युद्ध विराम थी।" यह उसके अपमानजनक स्वरूप के कारण हुआ।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) शीतयुद्ध के पतन के लिये उत्तरदायी कारणों को रेखांकित कीजिये। 15

Underline the reasons responsible for decline of the Cold War. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात अमेरिका एवं सोवियत संघ के रूस के मध्य तनावपूर्ण सम्बन्धों को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में शीतयुद्ध के नाम से जाना जाता है।

वास्तव में शीतयुद्ध एक वास्तविक युद्ध न होकर ~~एक~~ एक वाक्‌युद्ध था। इसके पतन के लिए उत्तरदायी कारण निम्नलिखित थे।

- शीतयुद्ध के दौरान तृतीय विश्व के देशों ने गुटीय राजनीति का विरोध किया और गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के माध्यम से शांतिपूर्ण सहअस्तित्व एवं ~~विरोध~~ निःशस्त्रीकरण पर बल देते हुए शीत युद्ध की तीव्रता एवं प्रभाव को कम करने का प्रयास किया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

- शीतयुद्ध के दौरान सोवियत संघ ने विभिन्न देशों को अपने गुट में शामिल करने बड़ी मात्रा में आर्थिक, तकनीकी एवं सैन्य मदद की। साथ वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान, अंतरिक्ष अभियानों, अस्त्र-शस्त्र एवं युद्ध सामग्री के निर्माण पर अत्यधिक व्यय किया।

इस व्यय के कारण सोवियत अर्थव्यवस्था दुर्बल हो गई सोवियत संघ ~~पतन के~~ विघटन के कगार पर पहुँच गया।

- गोर्बाचोव की उदारवादी, पेरेस्त्रोइका एवं ग्लासनोस्त जैसी उदारवादी नीतियों से सोवियत संघ ~~के~~ ~~नागरिकों~~ के सम समाज को एक झटके में खोल दिया। फलत: सोवियत संघ का पतन होते ही शीतयुद्ध समाप्त

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

हो गया।

- पार्लियामेंट एवं पूर्वी जर्मनी का एकीकरण होना।
- पूर्वी यूरोपीय देशों में साम्यवादी सरकारों के स्थान पर उदारवादी लोकतांत्रिक शासन प्रणाली की स्थापना होना एवं इन देशों द्वारा पूँजीवादी अर्थव्यवस्था अपनाने से भी शीतयुद्ध कमजोर हुआ।

~~इस~~ तरह 26 दिसम्बर, 1991 को सोवियत संघ का विघटन होते ही शीतयुद्ध का पतन हो गया और एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था में अमेरिकी प्रभुत्व स्थापित हुआ।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

8. (a) उन कारणों को चिह्नित कीजिये जिन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात साम्राज्यवाद के विध्वंस को तीव्र किया। 20

Mark those reasons that sharpened the demolition of imperialism after World War II. Analyze. 20

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात पश्चिमी यूरोपीय देशों के ~~साम्राज्यवाद~~ साम्राज्यों ~~को~~ समाप्त हो गए। साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद समाप्ति के कारण निम्नलिखित थे।

- द्वितीय विश्व युद्ध के कारण यूरोपीय देश आर्थिक एवं सैन्य दृष्टि से अत्यन्त कमज़ोर हो चुके थे। अब वे उपनिवेशों पर अपना नियन्त्रण स्थापित करने में सक्षम नहीं थे।

अतः विभिन्न उपनिवेशों में पश्चिमी यूरोपीय शक्तियों ने अपने भविष्य के राजनीतिक, आर्थिक हितों को देखते हुए उनके साथ ~~सम्मानजनक~~ सम्बन्ध बनाए रखने हेतु अफ्रीका, एशिया एवं लैटिन अमेरिका के अनेक देशों को स्वतंत्रता प्रदान की।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

- इसी समय अफ्रीका, एशिया एवं लैटिन अमेरिकी देशों में स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु राष्ट्रीय आन्दोलन चल रहा था। अतः द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात कमजोर सैन्य एवं आर्थिक स्थिति होने से यूरोपीय राष्ट्र, राष्ट्रीय आन्दोलन को दबाने में सक्षम नहीं थे।
- 1941 के अटलांटिक चार्टर के अनुसार सभी राष्ट्रों को आत्मनिर्णय का अधिकार प्रदान किया। इस चार्टर का पालन करने के लिए अमेरिका यूरोपीय देशों पर दबाव बना रहा कि सभी उपनिवेशों को आत्मनिर्णय का अधिकार प्रदान किया जाये।
- द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रखने के लिए UNO की स्थापना की गई। इसने भी साम्राज्यवाद उन्मूलन पर बल दिया।

- द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् महाशक्तियों संयुक्त राज्य अमेरिका एवं USSR ने भी साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद का विरोध किया।
- गुटनिरपेक्ष आन्दोलन ने पश्चिमी देशों के साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद का विरोध किया तथा तृतीय विश्व के देशों में चल रहे स्वतंत्रता आंदोलनों को तीव्र किया।

उपर्युक्त कारणों से 1960 एवं 1970 के दशक में अधिकांश राष्ट्र स्वतंत्र हो गए जो तृतीय विश्व के नाम से जाने गए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात नाटो की स्थापना समय की मांग थी जिसे सोवियत संघ के बढ़ते प्रभाव ने अवश्यंभावी बना दिया।' आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। 15

'After World War II, the establishment of NATO was a demand of time, the growing influence of the Soviet Union made it inevitable.' Critically examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात विश्व पूँजीवादी एवं साम्यवादी विचारधारा में विभक्त हो गया। जहाँ पूँजीवाद का नेतृत्व अमेरिका एवं साम्यवाद का नेतृत्व USSR कर रहा था।

USSR ने पूर्वी यूरोप के देशों अपना प्रभाव स्थापित करने का प्रयास किया और 1948 में बर्लिन की नाकेबन्दी की।

ऐसी परिस्थितियों में पश्चिमी यूरोप में साम्यवाद के प्रसार को रोकने हेतु अमेरिकी नेतृत्व में अप्रैल, 1949 में नाटो की स्थापना की गई। इसके गठन के उद्देश्य निम्नलिखित थे

- पश्चिमी यूरोप के देशों में साम्यवाद के प्रसार को रोकना।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- यूरोपीय देशों को एक सुरक्षा छतरी प्रदान करना। ताकि वे अपना आर्थिक-सामाजिक पुनर्निर्माण कर सके।
- पश्चिमी यूरोपीय देशों का एकीकरण करने हेतु ताकि सम्मिलित रूप आर्थिक प्रगति के पथ पर बढ़ सके।

नाटो की स्थापना में अमेरिकी हित भी सम्मिलित थे जो निम्न है-

- अमेरिका पूँजीवाद का नेतृत्वकर्ता था। वह पूँजीवाद का प्रसार एवं साम्यवाद के विस्तार को रोकना चाहता था।
- यूरोपीय देशों में अमेरिकी प्रभाव विस्तार करना।
- यूरोपीय बाजारों को अमेरिकी उद्योगों के लिए प्राप्त करना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस प्रकार कहा जा सकता है कि तत्कालीन द्विध्रुवीय विश्व में नाटो की स्थापना समय की माँग थी।

किंतु शीतयुद्ध के समाप्त होने के पश्चात भी नाटो को समाप्त नहीं किया। इसका कारण यह है कि नाटो ने बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप अपनी भूमिका में परिवर्तन किया। यह मानवीय सहायता के कार्य भी करता है। जैसे - खाड़ी संकट के अलावा में नागरिक सहायता प्रदान की।

इसके अतिरिक्त नाटो वर्तमान में रूस को एक सहयोगी देश के रूप में देखता है। नाटो के अनुसार रूस को नाटो की एवं नाटो को रूस की आवश्यकता है।

इस तरह कहा जा सकता है नाटो ने केवल शीतयुद्ध के दौरान बल्कि शीतयुद्धोत्तर काल में भी अपनी प्रासंगिकता बनाये हुए है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) 'सोवियत संघ के विघटन ने एक ध्रुवीय विश्व के रूप में अमेरिका का मार्ग प्रशस्त किया।' विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिकी प्रभुत्व के स्वरूप को रेखांकित कीजिये। 15

'The disintegration of the Soviet Union paved the way for America as a unipolar world.' Underlines the nature of American domination in different areas. 15

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

26 दिसम्बर, 1991 को सोवियत संघ रूस के ~~पतन~~ विघटन के साथ ही शीतयुद्ध समाप्त हो गया। और सोवियत संघ रूस का महाशक्ति के रूप में पतन होने से अमेरिकी नेतृत्व में एकध्रुवीय विश्व की स्थापना हुई।

इस एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था में अमेरिका का सैनिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक सांस्कृतिक क्षेत्रों में प्रभुत्व स्थापित हुआ।

<u>राजनैतिक :</u>

शीतयुद्ध के पतन के पश्चात अमेरिका एकमात्र शक्तिशाली राष्ट्र था। अतः विश्व की राजनीतिक संस्थाओं जैसे - UNO पर भी उसका प्रभाव रहा और विभिन्न देशों में लोकतांत्रिक शासन की स्थापना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

एवं मानवाधिकारों के उल्लंघन के नाम पर कठपुतली सरकारों की स्थापना कर अपने हितों की पूर्ति की गई।

आर्थिक:

अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं WB, IMF, WTO पर ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~ अमेरिकी प्रभुत्व स्थापित हुआ और उन्हीं राष्ट्रों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई गई जिन्होंने अपना बाजार अमेरिका के लिए खोला।

सैनिक:

नाटो के माध्यम से यूरोपीय एवं अन्य देशों पर ~~नियन्त्रण~~ प्रभाव स्थापित करने का प्रयास किया गया। खाड़ी युद्ध एवं अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना की उपस्थिति होना इसके प्रमुख उदाहरण है।

सामाजिक - सांस्कृतिक:

पश्चिमी विचारधारा एवं सांस्कृतिक मूल्यों को विनाशशील एवं अत्याधिक

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

देशों में प्रसारित किया ताकि उनको औद्योगिक वस्तुओं के अनुकूल लोगों के मनोविज्ञान को बदला जा सके और अपने आर्थिक हितों को पूरा किया जा सके।

वर्तमान समय विकासशील एवं अल्प विकसित देशों में पिज्जा, बर्गर, कोका-कोला, जींस, टी-शर्ट इत्यादि के प्रचलन के सन्दर्भ में समझा जा सकता है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है USSR के पतन के पश्चात् अमेरिका का विभिन्न देशों में प्रभुत्व स्थापित हुआ। इससे स्पष्ट है कि साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद भले ही समाप्त हो गए हो किंतु व अपने नये रूप नवउपनिवेशवादी शोषण रूप में विद्यमान है।

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation